RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 12th POLITY

समकालीन विश्व में सुरक्षा

RAPID REVISION



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दुश्मन
+
हमला।
+
आशंका

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. युद्ध की आशंका को सुरक्षा नीति द्वारा रोकना कहलाता है— (RBSE-2024)

अ आदेशात्मक युद्ध विराम

ब शक्ति संतुलन

स एकजुट होकर हमलावर को रोकना

द अपरोध

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

9/11/2026

2. अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला कब हुआ?

(RBSE-2022)

9/11

अ	11 सितम्बर, 2001
ब	11 सितम्बर, 2011
स	21 सितम्बर, 2001
द	21 सितम्बर, 2011

संगठन अलकायदा

ओसामा बिन लादेन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. युद्ध, प्राकृतिक आपदा अथवा राजनीतिक उत्पीड़न के कारण स्वदेश छोड़ने वाले कहलाते हैं—

(RBSE 2026)



अ आप्रवासी → स्वेच्छा से रोजगार

ब शरणार्थी

स घुसपैठिया

द विस्थापित जन

4. सुरक्षा का बुनियादी अर्थ क्या है?

(Model Paper-2025)

अ खतरा

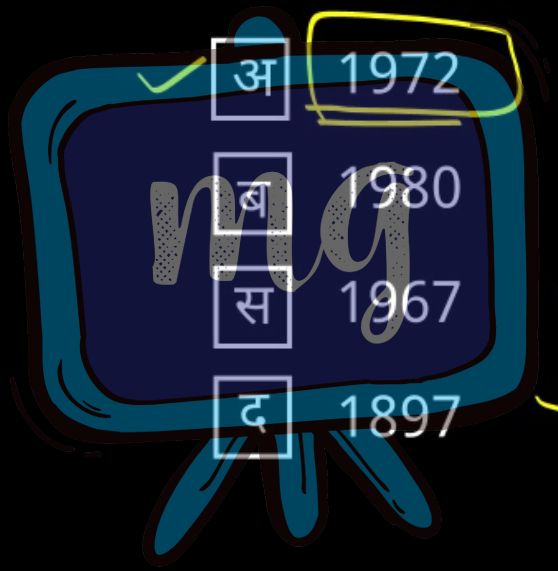
ब खतरे से आजादी

स युद्ध

द इनमें से कोई नहीं

5. जैविक हथियार संधि कब हुई?

(Model Paper-2024)



BWC → 1972

25 वर्ष

CWC → 1997

6. 11 सितम्बर 2001 के आतंकवादी हमले किस संगठन ने किए? (Model Paper-2026)

अ हमास

ब अल-कायदा

स तालिबान

द आई.एस.आई.एस.

7. पारंपरिक सुरक्षा की अवधारणा में सबसे बड़ा खतरा किसे माना जाता है?

अ सांस्कृतिक खतरे को

ब सैन्य खतरे को

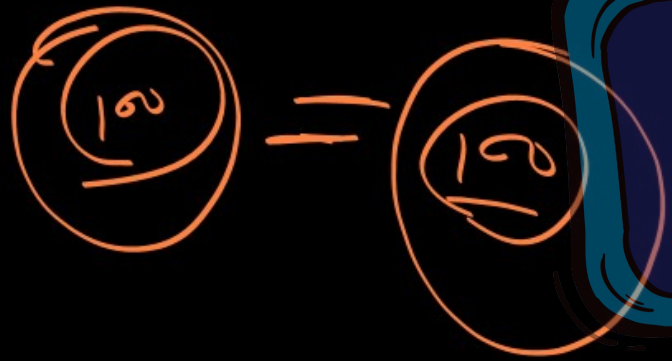
स केवल महामारी को

द केवल गरीबी को

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

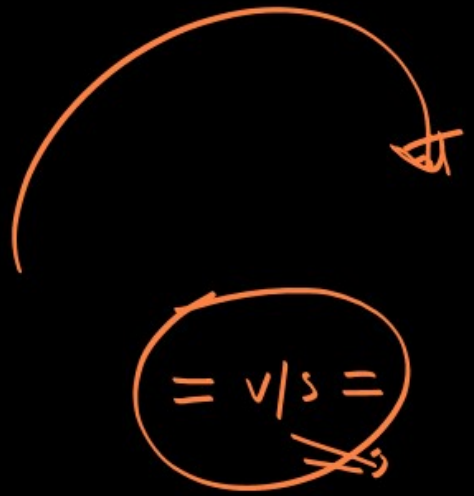
8. शक्ति-संतुलन बनाए रखने की कवायद मुख्यतः किससे जुड़ी होती है?



- अ सैन्य-शक्ति बढ़ाने से
- ब जनसंख्या घटाने से
- स प्रवास बढ़ाने से
- द सीमाएँ समाप्त करने से

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



9. विश्वास बहाली के उपायों का उद्देश्य क्या है?

✓ [अ] औचक हमले की गलतफहमी को कम करना

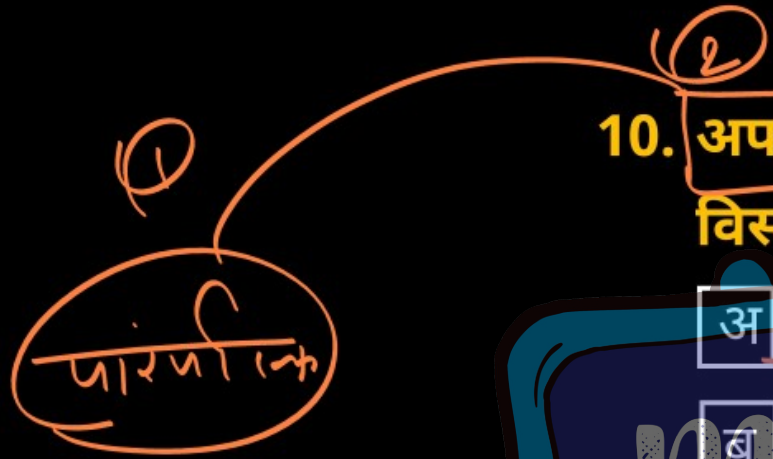
[ब] सैन्य टकराव बढ़ाना

[स] हथियारों का उत्पादन बढ़ाना

[द] युद्ध को अनिवार्य बनाना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



10. अपारंपरिक सुरक्षा में सुरक्षा का संदर्भ किस तक विस्तृत हो जाता है?

अ केवल राज्य

ब केवल सेना

स व्यक्ति, समुदाय और समूची मानवता

द केवल सरकार

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

11. मानवता की सुरक्षा के व्यापक अर्थ में निम्न में से क्या शामिल है?

अ अकाल, महामारी और आपदाएँ

ब केवल सीमा विवाद

स केवल हथियारों की दौड़

द केवल गठबंधन

12. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद की एक प्रमुख विशेषता क्या है?

अ वह केवल एक गाँव तक सीमित होता है

ब वह एक से ज्यादा देशों में व्याप्त होता है

स उसका राजनीति से कोई संबंध नहीं होता

द उसमें नागरिकों को कभी निशाना नहीं बनाया जाता

13. सहयोगमूलक सुरक्षा में सहयोग किस स्तर पर हो सकता है?

अ केवल वैश्विक

ब केवल द्विपक्षीय

स द्विपक्षीय, क्षेत्रीय, महादेशीय अथवा वैश्विक

द केवल स्थानीय

14. 1998 के परमाणु परीक्षणों को भारतीय सरकार ने किस आधार पर उचित ठहराया?

अ कृषि विकास

ब राष्ट्रीय सुरक्षा

स पर्यटन

द शिक्षा

15. भारत ने राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के लिए किस व्यवस्था का पालन किया है?

अ लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था

ब सैन्य शासन

स औपनिवेशिक शासन

द एकाधिकारवादी शासन

15. भारत ने राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के लिए किस व्यवस्था का पालन किया है?

अ लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था

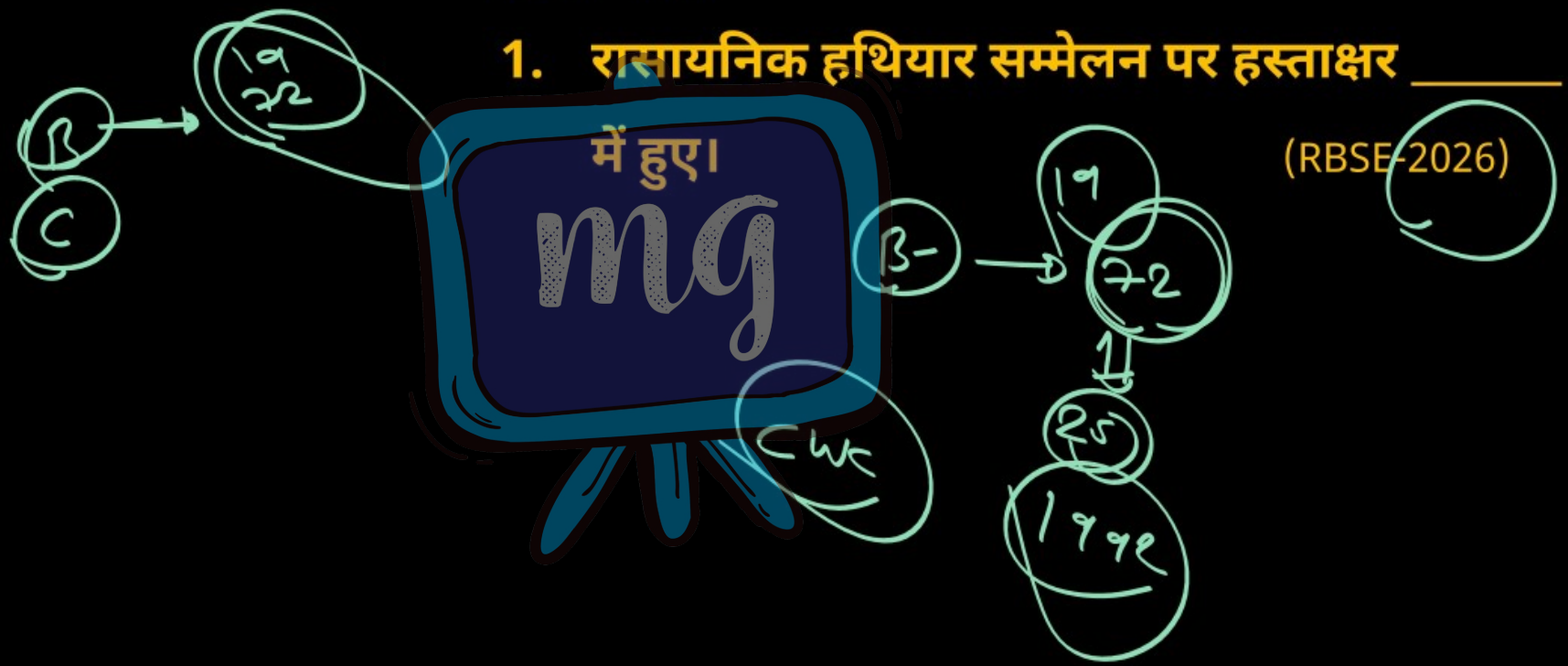
ब सैन्य शासन

स औपनिवेशिक शासन

द एकाधिकारवादी शासन

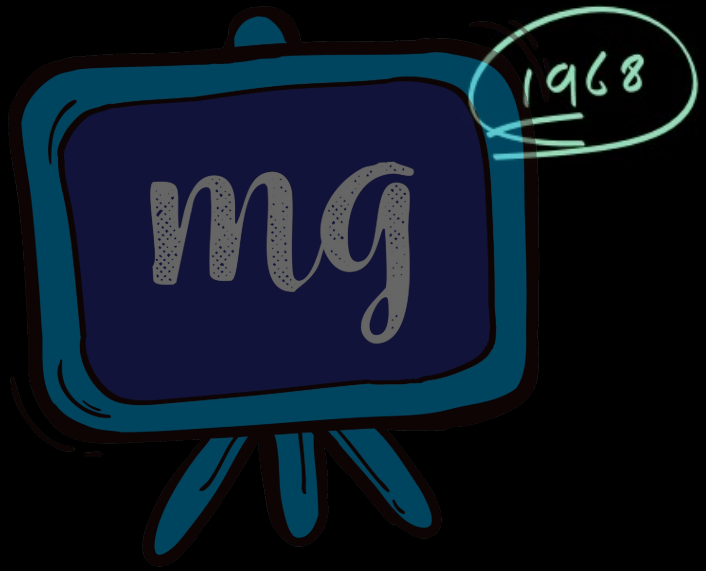
रिक्त स्थान

1. रासायनिक हथियार सम्मेलन पर हस्ताक्षर _____ में हुए। (RBSE-2026)



2. परमाणु अप्रसार संधि _____ में हुई।

(Model Paper-2024)



3. युद्ध की आशंका को रोकने की नीति को _____ कहते हैं। (Model Paper-2025)



4. भारत ने सन् _____ में पहला परमाणु परीक्षण किया। (Model Paper-2023)

१९५५
१९९८



5. भारत ने सन् _____ में पहला परमाणु परीक्षण किया।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. पारंपरिक सुरक्षा में किसी देश के प्रमुख केंद्रीय मूल्यों में _____, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता शामिल हैं।



7. प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच सैन्य सूचनाओं के नियमित आदान-प्रदान को _____ के उपाय कहा जाता है।



विश्वास बहाली

8. सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा को ____ की सुरक्षा भी कहा जाता है।

मानवता



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



9. सुरक्षा के अपारंपरिक खतरों से निपटने में _____ सुरक्षा पर जोर दिया जाता है।



10. दो महाशक्तियों की खेमेबाजी से अलग भारत ने _____ का विकल्प सामने रखा।



अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

1. सुरक्षा के दो मुख्य स्वरूप कौन-से हैं? (RBSE-2024)



उत्तर– पारंपरिक तथा अपारंपरिक सुरक्षा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. जैविक हथियार संधि सर्वप्रथम कब हुई?

(RBSE-2022)



उत्तर– 1972 में।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

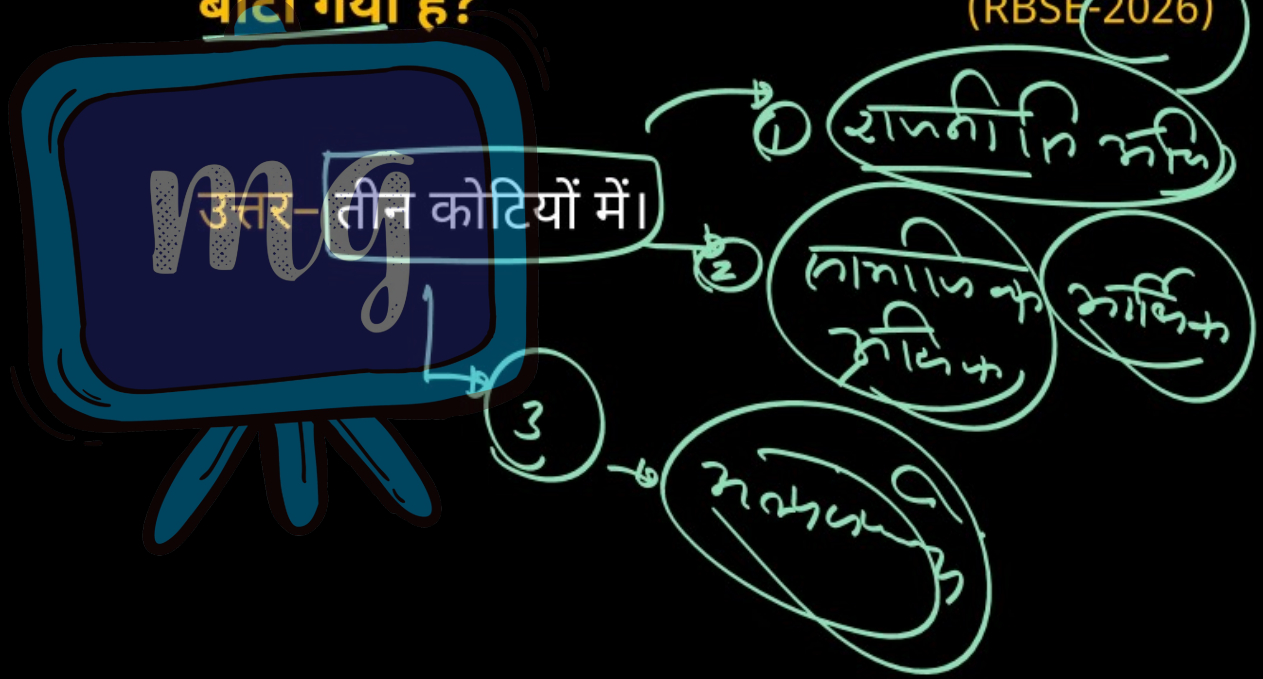
3. सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा के दो पक्ष कौन-से हैं?

(RBSE-2022, RBSE-2023)



उत्तर– मानवता की सुरक्षा और विश्व सुरक्षा।

4. मानवाधिकारों को सामान्यतः कितनी कोटियों में बाँटा गया है? (RBSE-2026)



5. सुरक्षा का बुनियादी अर्थ क्या है?

(Model Paper-2024)

उत्तर– खतरे से आजादी।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. शरणार्थी किसे कहते हैं? (Model Paper-2025)

उत्तर– युद्ध, प्राकृतिक आपदा अथवा राजनीतिक उत्पीड़न के कारण स्वदेश छोड़ने पर मजबूर व्यक्ति।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

7. शक्ति-संतुलन क्या है?

उत्तर– दूसरे देशों के मुकाबले अपनी शक्ति को संतुलित एवं अनुकूल बनाए रखने की नीति।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

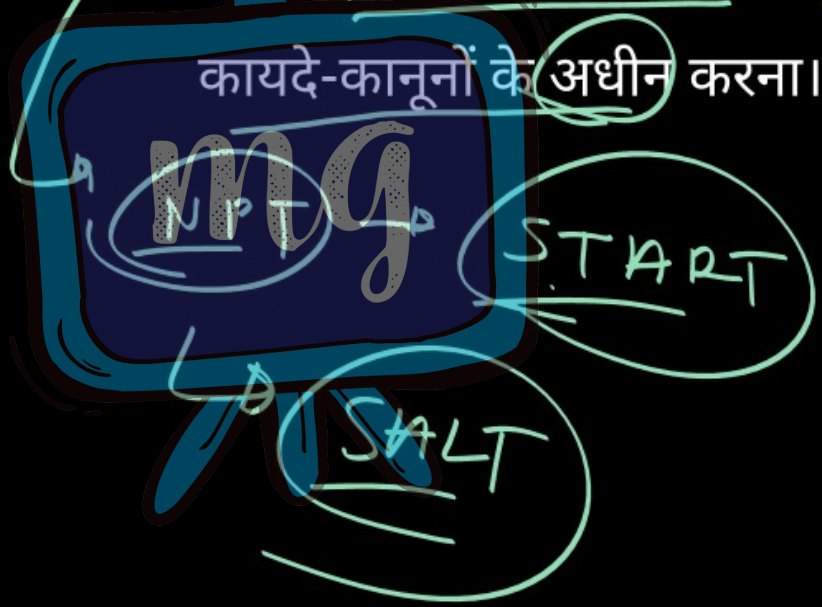
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

BWC - 1972

CWC - 1997

8. अस्त्र-नियंत्रण का अर्थ क्या है?

उत्तर- हथियारों के विकास या उपार्जन को निश्चित कायदे-कानूनों के अधीन करना।



9. विश्व-सुरक्षा की धारणा मुख्यतः किस दशक में उभरी?

उत्तर– 1990 के दशक में।

10. जवाहरलाल नेहरू ने अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में किसे अंतिम पंच मानने पर जोर दिया?

उत्तर– संयुक्त राष्ट्रसंघ को।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. निरस्त्रीकरण से क्या अभिप्राय है?

(RBSE-2024)

उत्तर :

1. अर्थ — निरस्त्रीकरण में कुछ विशेष प्रकार के हथियारों से बाज आने की माँग की जाती है।
2. सार्वभौमिकता — यह माँग सभी राज्यों पर उनके आकार, शक्ति और प्रभाव से परे लागू होती है।

3. प्रतिबंध — कुछ खास प्रकार के हथियारों को बनाना और रखना प्रतिबंधित किया जाता है।

4. उदाहरण — जैविक हथियार संधि (BWC), 1972 और रासायनिक हथियार संधि (CWC), 1997।

2. आप्रवासी और शरणार्थी में अंतर बताइए।

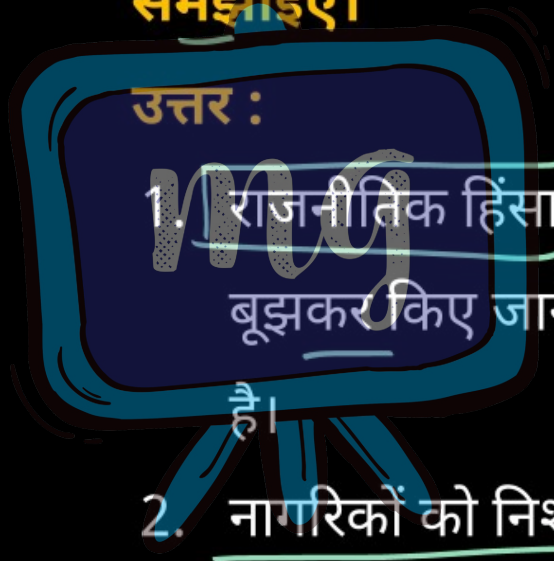
(RBSE-2023)

उत्तर :

1. आप्रवासी — वे व्यक्ति जो अपनी इच्छा से स्वदेश छोड़ते हैं।
2. शरणार्थी — वे व्यक्ति जो मजबूरी में अपना देश छोड़ते हैं।
3. शरणार्थी बनने के कारण — युद्ध, प्राकृतिक आपदा अथवा राजनीतिक उत्पीड़न।
4. राज्य की भूमिका — सामान्यतः राज्यों से शरणार्थियों को स्वीकार करने की अपेक्षा की जाती है, जबकि आप्रवासियों को स्वीकार करने की बाध्यता नहीं होती।

3. आतंकवाद को अपारंपरिक सुरक्षा-खतरे के रूप में समझाइए। (RBSE-2026)

उत्तर :



1. **राजनीतिक हिंसा** — आतंकवाद का आशय जान-बूझकर किए जाने वाले राजनीतिक खून-खराबे से है।

2. **नागरिकों को निशाना** — आतंकवादी जनमानस को आतंकित करने के लिए नागरिकों को निशाना बनाते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. राजनीतिक उद्देश्य — बल-प्रयोग या उसकी धमकी से राजनीतिक परिस्थितियों को बदलने का प्रयास किया जाता है।

4. प्रमुख तरीके — विमान-अपहरण तथा भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बम लगाना।

5. उदाहरण — 11 सितंबर 2001 को अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुआ आतंकवादी हमला।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. भारत की सुरक्षा रणनीति के दो घटक बताइए।

(Model Paper-2023, Model Paper-2025)

उत्तर :

1. पहला घटक — सैन्य क्षमता: भारत की सैन्य क्षमता को मजबूत करना।
2. सैन्य क्षमता का कारण — पड़ोसी देशों से हुए सैन्य हमलों का सामना करना।
3. दूसरा घटक — अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: अंतर्राष्ट्रीय कायदों और संस्थाओं को मजबूत करना।
4. प्रमुख प्रयास — निरस्त्रीकरण, संयुक्त राष्ट्रसंघ और सहयोगमूलक सुरक्षा की पहलकदमियों का समर्थन करना।

5. निरस्त्रीकरण और अस्त्र-नियंत्रण में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

1. निरस्त्रीकरण — कुछ विशेष प्रकार के हथियारों से पूरी तरह बाज आने पर जोर दिया जाता है।
2. अस्त्र-नियंत्रण — हथियारों के विकास और उपार्जन को निश्चित नियमों के अंतर्गत रखा जाता है।
3. निरस्त्रीकरण के उदाहरण — BWC (1972) और CWC (1997)।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. अस्त्र-नियंत्रण के उदाहरण — ABM, SALT II, START और NPT।
5. समान उद्देश्य — दोनों हथियारों से उत्पन्न सुरक्षा संबंधी खतरों को सीमित करने के उपाय हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. विश्वास बहाली के उपायों का महत्त्व बताइए।

उत्तर :

1. सूचनाओं का आदान-प्रदान — प्रतिद्वंद्वी देश नियमित रूप से सैन्य सूचनाएँ साझा करते हैं।
2. सैन्य योजनाएँ — देश अपने सैन्य उद्देश्यों और कुछ सैन्य योजनाओं की जानकारी देते हैं।
3. औचक हमले की आशंका — देश एक-दूसरे को आश्वस्त करते हैं कि अचानक हमले की योजना नहीं है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. सैन्य बलों की जानकारी — सैन्य बलों के प्रकार और उनकी तैनाती की जानकारी साझा की जा सकती है।
5. युद्ध की रोकथाम — गलतफहमी या गफलत के कारण युद्ध की आशंका कम होती है।

7. पारंपरिक और अपारंपरिक सुरक्षा में संदर्भी का अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

1. पारंपरिक सुरक्षा — इसका मुख्य संदर्भी राज्य होता है।
2. राज्य की सुरक्षा — इसमें राज्य के भूक्षेत्र और संस्थाओं की सुरक्षा को महत्त्व दिया जाता है।
3. अपारंपरिक सुरक्षा — इसमें संदर्भी का दायरा अधिक व्यापक होता है।
4. मानवता की सुरक्षा — व्यक्ति, समुदाय और समूची मानवता की सुरक्षा शामिल होती है।

7. पारंपरिक और अपारंपरिक सुरक्षा में संदर्भी का अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

1. पारंपरिक सुरक्षा — इसका मुख्य संदर्भी राज्य होता है।
2. राज्य की सुरक्षा — इसमें राज्य के भूक्षेत्र और संस्थाओं की सुरक्षा को महत्त्व दिया जाता है।
3. अपारंपरिक सुरक्षा — इसमें संदर्भी का दायरा अधिक व्यापक होता है।
4. मानवता की सुरक्षा — व्यक्ति, समुदाय और समूची मानवता की सुरक्षा शामिल होती है।

8. मानवता की सुरक्षा के व्यापक अर्थ की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

1. व्यापक सुरक्षा — यह हिंसक खतरों से आगे सुरक्षा की धारणा का विस्तार करती है।
2. अकाल — अकाल को मानवीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा माना जाता है।
3. महामारी और आपदा — महामारियाँ और प्राकृतिक आपदाएँ सुरक्षा के खतरे हैं।

4. आर्थिक सुरक्षा — व्यापकतम दृष्टिकोण में आर्थिक सुरक्षा और मानवीय गरिमा की रक्षा महत्त्वपूर्ण है।
5. मुख्य विचार — अभाव से मुक्ति और भय से मुक्ति पर जोर दिया जाता है।

9. सहयोगमूलक सुरक्षा की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

1. अपारंपरिक खतरे — अनेक अपारंपरिक खतरों का समाधान केवल सैन्य बल से संभव नहीं है।
2. प्रमुख समस्याएँ — गरीबी, महामारी और शरणार्थियों की समस्याओं में आपसी सहयोग अधिक प्रभावी है।
3. सहयोग के स्तर — द्विपक्षीय, क्षेत्रीय, महादेशीय और वैश्विक।

4. सहभागी संस्थाएँ — देश, अंतर्राष्ट्रीय संगठन और स्वयंसेवी संगठन इसमें भाग ले सकते हैं।

5. मुख्य उद्देश्य — सामूहिक रणनीति द्वारा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का सामना करना है।



10. भारत की सुरक्षा में आर्थिक विकास का क्या महत्त्व है?

उत्तर :

1. गरीबी में कमी — अर्थव्यवस्था के विकास के माध्यम से गरीबी कम करने के प्रयास किए गए।
2. अभाव से मुक्ति — बहुसंख्यक नागरिकों को अभाव से निजात दिलाने पर जोर दिया गया।
3. आर्थिक समानता — नागरिकों के बीच आर्थिक असमानता अधिक न बढ़े, इसके प्रयास हुए।

4. लोकतांत्रिक अवसर — गरीब और वंचित नागरिकों को अपनी आवाज उठाने के अवसर मिले।
5. मानवीय विकास — सरकार पर आर्थिक संवृद्धि को मानवीय विकास का सहगामी बनाने का दबाव रहता है।

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न

1. **पारंपरिक बाहरी सुरक्षा के प्रमुख तत्त्वों का वर्णन कीजिए।**

उत्तर- भूमिका: पारंपरिक सुरक्षा की धारणा में राज्य की सुरक्षा को विशेष महत्त्व दिया जाता है। इसमें बाहरी सैन्य खतरे को सबसे गंभीर माना जाता है।

मुख्य बिंदु:

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. सैन्य खतरा — दूसरे देश का सैन्य हमला संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता को प्रभावित कर सकता है।
2. अपरोध — युद्ध की आशंका को रोकने की नीति अपरोध कहलाती है।
3. रक्षा — युद्ध शुरू होने पर उसे सीमित रखना अथवा समाप्त करना रक्षा कहलाता है।
4. शक्ति-संतुलन — देश संभावित विरोधी की तुलना में अपनी शक्ति को अनुकूल बनाए रखने का प्रयास करते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. सैन्य क्षमता — शक्ति-संतुलन के लिए सैन्य शक्ति के साथ आर्थिक तथा प्रौद्योगिकीय ताकत भी महत्त्वपूर्ण है।
6. सैन्य गठबंधन — सैन्य हमले को रोकने अथवा उससे रक्षा के लिए कई देश गठबंधन बनाते हैं।
7. अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था — विश्व-राजनीति में सभी देशों के ऊपर कोई केंद्रीय सत्ता नहीं है।
8. स्वयं की जिम्मेदारी — प्रत्येक देश को अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं उठानी होती है।

2. पारंपरिक सुरक्षा में सहयोग के प्रमुख उपायों की व्याख्या कीजिए!

उत्तर- मुख्य बिंदु:

1. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग — देशों के बीच सुरक्षा संबंधी खतरों को कम करने के लिए सहयोग किया जा सकता है।
2. निरस्त्रीकरण — सभी राज्यों से कुछ विशेष प्रकार के हथियारों को त्यागने की अपेक्षा की जाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. जैविक हथियार संधि (BWC) — वर्ष 1972 की इस संधि में जैविक हथियारों को बनाना और रखना प्रतिबंधित किया गया।
4. रासायनिक हथियार संधि (CWC) — वर्ष 1997 की इस संधि में रासायनिक हथियारों को बनाना और रखना प्रतिबंधित किया गया।
5. अस्त्र-नियंत्रण — हथियारों के विकास और उपार्जन को निश्चित नियमों के अंतर्गत रखा जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. अस्त्र-नियंत्रण संधियाँ — ABM, SALT II, START और NPT इसके उदाहरण हैं।\
7. विश्वास बहाली — प्रतिद्वंद्वी देश सैन्य सूचनाओं और योजनाओं का आदान-प्रदान करते हैं।
8. युद्ध की आशंका में कमी — विश्वास बहाली से गलतफहमी के कारण युद्ध की संभावना कम की जाती है।

3. मानवता की सुरक्षा की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

उत्तर– भूमिका: मानवता की सुरक्षा, सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा का महत्त्वपूर्ण पक्ष है। इसमें राज्य की अपेक्षा व्यक्तियों की संरक्षा को प्राथमिकता दी जाती है।

मुख्य बिंदु:

1. जनता की सुरक्षा — मानवता की सुरक्षा में जनता की सुरक्षा को विशेष महत्त्व दिया जाता है।
2. प्राथमिक लक्ष्य — व्यक्तियों की संरक्षा करना इसका मुख्य उद्देश्य है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. संकीर्ण दृष्टिकोण — व्यक्तियों को हिंसक खतरों और खून-खराबे से बचाने पर जोर दिया जाता है।
4. व्यापक दृष्टिकोण — अकाल, महामारी और प्राकृतिक आपदाओं को भी सुरक्षा के खतरे माना जाता है।
5. आर्थिक सुरक्षा — व्यापकतम दृष्टिकोण में आर्थिक सुरक्षा को महत्त्व दिया जाता है।
6. मानवीय गरिमा — व्यक्तियों की गरिमा का संरक्षण भी मानवता की सुरक्षा का हिस्सा है।

7. अभाव से मुक्ति — नागरिकों को अभाव की परिस्थितियों से मुक्त रखना महत्त्वपूर्ण है।
8. भय से मुक्ति — व्यक्तियों और समुदायों को गंभीर खतरों के भय से मुक्त रखना भी इसका लक्ष्य है।

4. विश्व-सुरक्षा की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– भूमिका: विश्व-सुरक्षा की धारणा 1990 के दशक में उभरी। यह उन खतरों से संबंधित है जिनका प्रभाव अनेक देशों पर पड़ता है।

मुख्य बिंदु:

1. वैश्विक प्रकृति — विश्व-सुरक्षा ऐसे खतरों से संबंधित है जो किसी एक देश की सीमा तक सीमित नहीं हैं।
2. वैश्विक तापवृद्धि — समुद्रतल बढ़ने से बांग्लादेश और मालदीव जैसे देशों को गंभीर खतरा हो सकता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद — इसका विस्तार एक से अधिक देशों में होता है और कई देशों के नागरिक प्रभावित होते हैं।
4. महामारियाँ — एड्स और बर्ड फ्लू जैसी महामारियाँ राष्ट्रीय सीमाओं के पार फैलती हैं।
5. पारस्परिक निर्भरता — एक देश की सफलता अथवा असफलता दूसरे देशों को प्रभावित कर सकती है।
6. सामूहिक चुनौती — कोई एक देश इन समस्याओं का समाधान अकेले नहीं कर सकता।
7. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग — वैश्विक खतरों से निपटने के लिए देशों के बीच सहयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. भारत की आंतरिक एवं आर्थिक सुरक्षा रणनीतियों को समझाइए।

उत्तर– भूमिका: भारत की सुरक्षा नीति के तीसरे और चौथे घटक का संबंध आंतरिक सुरक्षा तथा आर्थिक विकास से है।

मुख्य बिंदु:

1. आंतरिक सुरक्षा चुनौतियाँ — भारत के कुछ क्षेत्रों में उग्रवादी और अलगाववादी गतिविधियाँ सामने आईं।
2. प्रमुख क्षेत्र — नगालैंड, मिजोरम, पंजाब और कश्मीर में अलगाववादी चुनौतियाँ उभरीं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. राष्ट्रीय एकता — भारत ने एकता बनाए रखने के लिए लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था का पालन किया।
4. शिकायतों की अभिव्यक्ति — विभिन्न समुदायों को अपनी शिकायतें खुलकर रखने का अवसर मिला।
5. सत्ता में भागीदारी — लोकतांत्रिक व्यवस्था ने समुदायों को सत्ता में भागीदारी के अवसर दिए।
6. गरीबी और अभाव — आर्थिक विकास के माध्यम से गरीबी और अभाव कम करने के प्रयास किए गए।

7. आर्थिक असमानता — नागरिकों के बीच आर्थिक असमानता को नियंत्रित करने पर जोर दिया गया।
8. मानवीय विकास — सरकार पर आर्थिक संवृद्धि को मानवीय विकास से जोड़ने का दबाव रहता है।

निबंधात्मक प्रश्न

1. **सुरक्षा का अर्थ बताते हुए पारंपरिक एवं अपारंपरिक सुरक्षा की विवेचना कीजिए।** (RBSE-2025)

उत्तर– सुरक्षा का बुनियादी अर्थ खतरे से आजादी है। सुरक्षा का संबंध उन गंभीर खतरों से है जो जीवन के केंद्रीय मूल्यों को अपूरणीय क्षति पहुँचा सकते हैं।

सुरक्षा की दो प्रमुख धारणाएँ हैं — पारंपरिक सुरक्षा और अपारंपरिक सुरक्षा।

1. पारंपरिक सुरक्षा की अवधारणा
   - राज्य की सुरक्षा — इसमें राज्य को मुख्य संदर्भी माना जाता है।
   - सैन्य खतरा — बाहरी सैन्य हमलों को सबसे गंभीर खतरा माना जाता है।
2. पारंपरिक सुरक्षा के केंद्रीय मूल्य
   - संप्रभुता — राज्य की स्वतंत्र सत्ता की रक्षा।
   - स्वतंत्रता एवं क्षेत्रीय अखंडता — देश की स्वतंत्रता और भूक्षेत्र की सुरक्षा।

3. पारंपरिक सुरक्षा के प्रमुख उपाय

- अपरोध और रक्षा — युद्ध की आशंका रोकना तथा युद्ध को सीमित रखना या समाप्त करना।
- शक्ति-संतुलन और गठबंधन — सैन्य शक्ति अनुकूल बनाए रखना तथा सैन्य सहयोग स्थापित करना।
- अन्य उपाय — निरस्त्रीकरण, अस्त्र-नियंत्रण और विश्वास बहाली।

4. अपारंपरिक सुरक्षा की अवधारणा
   - व्यापक संदर्भी — इसमें राज्य के साथ व्यक्ति, समुदाय और समूची मानवता शामिल हैं।
   - मानवीय अस्तित्व — इसका संबंध व्यापक मानवीय खतरों से है।
5. मानवता की सुरक्षा
   - संकीर्ण दृष्टिकोण — व्यक्तियों को हिंसक खतरों से सुरक्षित रखना।
   - व्यापक दृष्टिकोण — अकाल, महामारी और प्राकृतिक आपदा जैसे खतरों से सुरक्षा।

6. अपारंपरिक सुरक्षा का व्यापकतम दृष्टिकोण
   - आर्थिक सुरक्षा — आर्थिक असुरक्षा और अभाव से सुरक्षा।
   - मानवीय गरिमा — व्यक्तियों की गरिमा की रक्षा।
   - मुख्य विचार — अभाव से मुक्ति और भय से मुक्ति।
7. दोनों धारणाओं के बीच अंतर
   - पारंपरिक सुरक्षा — मुख्यतः राज्य और सैन्य खतरों पर केंद्रित है।
   - अपारंपरिक सुरक्षा — व्यक्ति, समुदाय और मानवता के व्यापक खतरों पर केंद्रित है।

2. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खतरों के नए स्रोत कौन-कौन से हो सकते हैं? वर्तमान सन्दर्भों को सम्मिलित करते हुए वर्णन कीजिए। (Model Paper-2026)

उत्तर- सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा में सैन्य खतरों के अतिरिक्त अनेक नए खतरे शामिल हैं। इनमें आतंकवाद, मानवाधिकारों का हनन, वैश्विक निर्धनता, विस्थापन, महामारियाँ और वैश्विक तापवृद्धि प्रमुख हैं।

1. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद
   - राजनीतिक हिंसा — आतंकवादी जान-बूझकर नागरिकों को निशाना बनाते हैं।
   - उदाहरण — 11 सितंबर 2001 को अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकवादी हमला हुआ।
2. मानवाधिकारों का उल्लंघन
   - मानवाधिकार — राजनीतिक, आर्थिक-सामाजिक तथा अन्य समुदायों के अधिकारों का संरक्षण आवश्यक है।
   - अंतर्राष्ट्रीय बहस — मानवाधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप को लेकर मतभेद हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. वैश्विक निर्धनता
   - आर्थिक असमानता — निम्न प्रति व्यक्ति आय और तेज जनसंख्या वृद्धि गरीबी बढ़ा सकती है।
   - सुरक्षा संबंध — गरीब क्षेत्रों में सशस्त्र संघर्ष भी गंभीर समस्या बन सकते हैं।
4. शरणार्थी और आंतरिक विस्थापन
   - शरणार्थी — युद्ध, प्राकृतिक आपदा या राजनीतिक उत्पीड़न के कारण देश छोड़ने को मजबूर लोग।
   - आंतरिक विस्थापन — राष्ट्रीय सीमा के भीतर अपना घर-बार छोड़ने वाले लोग।

5. महामारियाँ
   - प्रमुख उदाहरण — एचआईवी-एड्स, बर्ड फ्लू और सार्स।
   - सीमापार प्रसार — आप्रवास, व्यवसाय, पर्यटन और सैन्य-अभियान इनके फैलाव के माध्यम हो सकते हैं।
6. प्राकृतिक आपदाएँ
   - मानवीय असुरक्षा — प्राकृतिक आपदाएँ मानवीय जीवन और आजीविका को प्रभावित कर सकती हैं।
   - विस्थापन — आपदाओं के कारण लोग अपनी जन्मभूमि छोड़ने पर मजबूर हो सकते हैं।

7. वैश्विक तापवृद्धि

- समुद्रतल में वृद्धि — समुद्र के जलस्तर में वृद्धि से तटीय और द्वीपीय क्षेत्रों को खतरा हो सकता है।
- उदाहरण समुद्रतल दो मीटर बढ़ने पर बांग्लादेश और मालदीव जैसे देशों को गंभीर खतरा हो सकता है।

8. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

- साझा चुनौती — इन खतरों का प्रभाव अनेक देशों पर पड़ सकता है।
- सामूहिक समाधान — इन समस्याओं से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है।

निष्कर्ष: सुरक्षा के नए स्रोत मानवीय अस्तित्व को प्रभावित करते हैं। इन खतरों का सामना करने के लिए सहयोगमूलक सुरक्षा को महत्त्व दिया गया है।

3. भारत की सुरक्षा रणनीतियों का विस्तार से वर्णन कीजिए। (Model Paper-2026)

उत्तर– भारत को पारंपरिक और अपारंपरिक दोनों प्रकार के सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ा है। ये खतरे देश की सीमाओं के भीतर और बाहर दोनों ओर से उत्पन्न हुए हैं। भारत की सुरक्षा नीति के चार प्रमुख घटक हैं।

1. सैन्य क्षमता को मजबूत करना
   - बाहरी सुरक्षा — पड़ोसी देशों के सैन्य हमलों का सामना करने के लिए सैन्य क्षमता को मजबूत किया गया।
   - प्रमुख हमले — पाकिस्तान ने 1947-48, 1965, 1971 और 1999 में तथा चीन ने 1962 में भारत पर हमला किया।

2. परमाणु सुरक्षा

- 1974 का परीक्षण — भारत ने 1974 में पहला परमाणु परीक्षण किया।
- 1998 का परीक्षण — भारत सरकार ने 1998 के परमाणु परीक्षणों को राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर उचित ठहराया।

3. अंतर्राष्ट्रीय कायदों और संस्थाओं को मजबूत करना

- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग — भारत ने सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करने पर जोर दिया।
- संयुक्त राष्ट्रसंघ — जवाहरलाल नेहरू ने अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में संयुक्त राष्ट्रसंघ को अंतिम पंच मानने पर जोर दिया।

4. निरस्त्रीकरण एवं गुटनिरपेक्षता

- निरस्त्रीकरण — भारत ने सार्वभौम और बिना भेदभाव वाली हथियार-अप्रसार नीति का समर्थन किया।
- गुटनिरपेक्षता — भारत ने दो महाशक्तियों की खेमेबाजी से अलग विश्व-शांति का तीसरा विकल्प प्रस्तुत किया।

5. आंतरिक सुरक्षा

- अलगाववादी चुनौतियाँ — नगालैंड, मिजोरम, पंजाब और कश्मीर में अलगाववादी गतिविधियाँ सामने आईं।
- राष्ट्रीय एकता — भारत ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था का पालन किया।

6. लोकतांत्रिक भागीदारी

- शिकायतों की अभिव्यक्ति — विभिन्न समुदायों को अपनी शिकायतें खुलकर रखने का अवसर दिया गया।
- सत्ता में भागीदारी — नागरिकों और जनसमूहों को राजनीतिक सत्ता में भागीदारी के अवसर उपलब्ध कराए गए।

7. आर्थिक विकास

- गरीबी और अभाव — आर्थिक विकास के माध्यम से नागरिकों को गरीबी और अभाव से मुक्ति दिलाने का प्रयास किया गया।
- आर्थिक असमानता — नागरिकों के बीच आर्थिक असमानता कम करने पर जोर दिया गया।

8. मानवीय विकास

- लोकतांत्रिक दबाव — सरकार पर आर्थिक संवृद्धि को मानवीय विकास का सहगामी बनाने का दबाव रहता है।
- जनता की सुरक्षा — लोकतांत्रिक व्यवस्था जनता को अधिक सुरक्षा उपलब्ध कराने का साधन भी है।

4. सुरक्षा की पारंपरिक धारणा एवं उसके प्रमुख उपायों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तर– सुरक्षा की पारंपरिक धारणा मुख्यतः राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्य खतरों से संबंधित है। इसमें राज्य की संप्रभुता, स्वतंत्रता तथा क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा को महत्त्व दिया जाता है।

1. पारंपरिक सुरक्षा की अवधारणा
   - राज्य की सुरक्षा — पारंपरिक सुरक्षा में राज्य मुख्य संदर्भी होता है।
   - सैन्य खतरा — दूसरे देश के सैन्य हमले को सबसे गंभीर खतरा माना जाता है।
2. केंद्रीय मूल्यों की रक्षा
   - संप्रभुता — राज्य की स्वतंत्र सत्ता की रक्षा।
   - स्वतंत्रता एवं क्षेत्रीय अखंडता — देश की स्वतंत्रता और भूक्षेत्र की सुरक्षा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. अपरोध एवं रक्षा
   - अपरोध — युद्ध की आशंका को रोकने की नीति है।
   - रक्षा — युद्ध शुरू होने पर उसे सीमित रखने अथवा समाप्त करने की नीति है।
4. शक्ति-संतुलन
   - शक्ति का संतुलन — देश संभावित विरोधी की तुलना में अपनी शक्ति अनुकूल बनाए रखने का प्रयास करते हैं।
   - सैन्य क्षमता — शक्ति-संतुलन बनाए रखने के लिए मुख्यतः सैन्य शक्ति बढ़ाई जाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. सैन्य गठबंधन
   - गठबंधन का उद्देश्य — सैन्य हमले को रोकना अथवा उससे रक्षा करना।
   - राष्ट्रीय हित — गठबंधन राष्ट्रीय हितों पर आधारित होते हैं और हित बदलने पर गठबंधन भी बदल सकते हैं।
6. निरस्त्रीकरण
   - अर्थ — कुछ विशेष प्रकार के हथियारों से पूरी तरह बाज आने पर जोर दिया जाता है।
   - उदाहरण — जैविक हथियार संधि (1972) और रासायनिक हथियार संधि (1997)।

7. अस्त्र-नियंत्रण

- अर्थ — हथियारों के विकास और उपार्जन को निश्चित नियमों के अंतर्गत रखा जाता है।
- उदाहरण — ABM, SALT II, START और NPT।

8. विश्वास बहाली

- सैन्य सूचनाओं का आदान-प्रदान — प्रतिद्वंद्वी देश सैन्य मकसद और योजनाओं की जानकारी साझा करते हैं।
- युद्ध की रोकथाम — इससे गलतफहमी के कारण युद्ध की आशंका कम होती है।

निष्कर्ष: पारंपरिक सुरक्षा में सैन्य शक्ति के साथ अपरोध, रक्षा, शक्ति-संतुलन, गठबंधन, निरस्त्रीकरण, अस्त्र-नियंत्रण और विश्वास बहाली महत्त्वपूर्ण उपाय हैं।

5. वैश्विक खतरों के संदर्भ में विश्व-सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्त्व की विवेचना कीजिए।

उत्तर– 1990 के दशक में विश्व-सुरक्षा की धारणा उभरी। इसका संबंध ऐसे खतरों से है जो राष्ट्रीय सीमाओं के बाहर भी अनेक देशों और समाजों को प्रभावित करते हैं।

1. वैश्विक खतरों की प्रकृति
   - सीमापार प्रभाव — अनेक खतरे किसी एक देश तक सीमित नहीं रहते।
   - सामूहिक चुनौती — इन खतरों का प्रभाव अनेक देशों पर पड़ सकता है।
2. वैश्विक तापवृद्धि
   - पर्यावरणीय खतरा — वैश्विक तापवृद्धि समुद्रतल को बढ़ा सकती है।
   - प्रभावित देश — बांग्लादेश और मालदीव जैसे देशों को गंभीर खतरा हो सकता है।

3. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद

- अंतर्राष्ट्रीय विस्तार — आतंकवाद एक से अधिक देशों में व्याप्त हो सकता है।
- नागरिकों पर प्रभाव — कई देशों के नागरिक इसके निशाने पर होते हैं।

4. महामारियाँ

- सीमापार प्रसार — एड्स और बर्ड फ्लू जैसी महामारियाँ विभिन्न देशों में फैल सकती हैं।
- पारस्परिक प्रभाव — एक देश में महामारी रोकने की सफलता अथवा असफलता दूसरे देशों को प्रभावित करती है।

5. पारस्परिक निर्भरता
   - साझा प्रभाव — देशों की सुरक्षा संबंधी समस्याएँ एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं।
   - अकेले समाधान की सीमा — कोई एक देश इन वैश्विक समस्याओं का समाधान अकेले नहीं कर सकता।
6. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
   - सामूहिक रणनीति — वैश्विक खतरों से निपटने के लिए देशों को मिलकर रणनीतियाँ तैयार करनी चाहिए।
   - सहयोग का महत्त्व — समस्याओं की वैश्विक प्रकृति के कारण अंतर्राष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है।